बाला लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के | By Muskan Shrivastava

बाला तेरे लिए आई हूँ मैं तो दूर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के

भेजी मैंने चिट्ठी बाबा क्या तुमको मिल पाई
अपने मन की बात मैंने चिट्ठी में लिखवाई
बाबा पूछ लेना अपने लांगुर वीर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के
बाला तेरे लिए आई हूँ मैं तो दूर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के

तेरे आश्रीवाद से कई कन्या बनी सुहागन
भटक रही है कब से बाला तेरी एक अभागन
मेरी मांग भी भरा दो सिन्दूर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के
बाला तेरे लिए आई हूँ मैं तो दूर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के

बालाजी तेरे हाथो में जीवन की है डोर
एक बार मेहंदीपुर वाले देखो मेरी और
क्या भूल हो गई है मुझ मजबूर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के
बाला तेरे लिए आई हूँ मैं तो दूर से
मैं तो लाइ हूँ लड्डू मोतीचूर के

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%87-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%b2%e0%a4%a1%e0%a5%8d%e0%a4%a1%e0%a5%82-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%a4%e0%a5%80%e0%a4%9a%e0%a5%82/